श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 51, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार, 26 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

कृषि विधेयकों के विरोध में थमा पंजाब, हरियाणा में भी प्रदर्शन

विरोध कर रहे किसानों ने सेना के वाहन व एंबुलेंस रोकी

प्रदर्शनकारियों ने सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक लगभग सभी नेशनल हाईवे जाम कर दिए। अमृतसर-जम्मू नेशनल हाईवे पर तो ट्रैफिक सुचारू रहा लेकिन दिल्ली नेशनल हाईवे पर कई जगह किसानों ने ट्रैक्टर खड़े कर धरना दिया

नई दिल्ली, जेएनएन। कृषि विधेयकों के विरोध में शुक्रवार को आयोजित बंद का पंजाब में व्यापक असर रहा। नेशनल हाईवे जाम किए जाने से आवाजाही पूरी तरह बंद रही। ट्रेनें दूसरे दिन भी नहीं चलीं। इससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हरियाणा में पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में असर दिखा, लेकिन शेष हिस्से में हालात सामान्य रहे। राजस्थान व उत्तर प्रदेश समेत ज्यादातर राज्यों में आंशिक असर रहा। पंजाब में 31 किसान संगठनों के इस विरोध-प्रदर्शन को भाजपा को छोड़ सभी राजनीतिक पार्टियों, बस यूनियनों व कर्मचारी-व्यापारी यूनियनों और कलाकारों का समर्थन मिला।

प्रदर्शनकारियों ने सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक लगभग सभी नेशनल हाईवे जाम कर दिए। अमृतसर-जम्मू नेशनल हाईवे पर, तो ट्रैफिक सुचारू रहा, लेकिन दिल्ली नेशनल हाईवे पर कई जगह किसानों ने ट्रैक्टर खड़े कर धरना दिया। हरियाणा-पंजाब की सीमा पर सेना के वाहन और एंबुलेंस भी रोक दी गई। यहां देर रात तक लोग फंसे रहे। कुछ जगह जबरन बाजार बंद कराए गए, जिससे लोगों को जरूरी सामान के लिए परेशानी उठानी पड़ी।

विशेष ट्रेनों का परिचालन पहले ही रद कर दिए जाने के बावजूद किसान रेल ट्रैक पर टेंट लगाकर जमे रहे। श्री मुक्तसर साहिब के लंबी में शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ट्रैक्टर लेकर धरने में पहुंचे। इस बीच, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रहे अमृतसर के एडवोकेट आरपी सिंह मैणी ने कृषि विधेयकों को पंजाब विरोधी बताते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

अमृतसर में रेल ट्रैक पर धरना दे रहे किसानों ने एलान किया कि उनका धरना 29 सितंबर तक जारी रहेगा। इसके बाद एक अक्टूबर से फिर रेल रोकेंगे। भारतीय किसान यूनियन ने भी यही चेतावनी दी। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह ग्राम सभा बुलाओ, गांव बचाओ, पंजाब बचाओ मुहिम शुरू करेगी।

गांव में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री को तत्काल कैबिनेट की बैठक बुलानी चाहिए और राज्य को एक 'मंडी' घोषित करने के लिए एक अध्यादेश पारित करना चाहिए, ताकि पंजाब में हाल ही में पारित कृषि बिलों को लागू न किया जा सके। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान एटम बम गिराकर जापान को हिलाकर रख दिया था। इसी तरह अकाली दल के एक बम (हरसिमरत कौर बादल का इस्तीफा) ने मोदी सरकार को हिला दिया है। पिछले दो महीनों से किसानों पर कोई शब्द नहीं था, लेकिन अब 5-5 मंत्री इस पर बोलते हैं।

बिहार के गया में कृषि बिल को लेकर विपक्षी दल विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आरजेडी के जिला कार्यकर्ता ने कहा कि हम किसान विरोधी कानूनों का विरोध कर रहे हैं जिन्हें केंद्रीय सरकार द्वारा निरस्त किया जाना चाहिए। इससे केवल निगमों को लाभ होगा और सभी मंडियों को बंद करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

किसानों ने रोहतक के चारों तरफ हाईवे पर जाम लगा दिया है। रोहतक-हिसार हाईवे पर भैनी महाराजपुर, रोहतक-पानीपत हाईवे पर ब्रह्मणवास के समीप, रोहतक-जींद हाईवे पर टीटोली गांव के पास और रोहतक- भिवानी हाईवे पर भाली आनंदपुर शुगर मिल के पास किसानों ने रोड जाम कर दी है। यहां पुलिस प्रशासन किसानों से रास्ता खुलवाने के लिए बातचीत कर रहा है।

बिहार में तेजस्वी यादव की ट्रैक्टर रैली

किसानों के विरोध प्रदर्शन में नेता भी शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कृषि बिल के खिलाफ ट्रैक्टर रैली निकाली है। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने हमारे अन्नदाता को निधि दाता के जरिए कठपुतली बना दिया है। उन्होंने कहा कि कृषि बिल किसान विरोधी। सरकार ने कहा था कि वे 2022 तक किसानों की आय दोगुना करेंगे, लेकिन ये बिल उन्हें और गरीब बना देगा। आरजेडी नेता ने कहा कि कृषि क्षेत्र का कॉर्पोरेटकरण किया गया है।

अमृतसर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग किया ब्लॉक

पंजाब के जालंधर में फिलौरी के पास किसानों ने अमृतसर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग को ब्लॉक कर दिया है। पंजाब में भारत बंद के मद्देनजर सभी मार्केट एसोसिएशन ने दुकानें बंद रखने को कहा है। इस दौरान सिर्फ जरूरी सेवाएं दी जाएंगी।

कर्नाटक में किसानों का प्रदर्शन

कर्नाटक स्टेट फार्मर्स एसोसिएशन के सदस्य बोम्मनाहली (इझ्ँल्लँ’;) में बिल को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था और कोरोना सुरक्षा नियमों को बनाए रखने के लिए क्षेत्र में पुलिस को तैनीत कर दिया गया है। पंजाब के अमृतसर में किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के लोगों का 'रेल रोको' आंदोलन जारी है। यहां किसानों ने 24 सितंबर से आंदोलन शुरू किया था जो 26 सितंबर तक चलेगा। आंदोलन के मद्देनजर फिरोजपुर रेल मंडल ने एहतियत के तौर पर अमृतसर से चलने वाली सभी 14 स्पेशल ट्रेनों को 24 सितंबर से 26 सितंबर रात 12 बजे तक के लिए रद कर दिया है।

गौरतलब है कि कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल बिल का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस बिल को संघीय ढांचे के खिलाफ और असंवैधानिक करार दिया है। पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इन काले कानूनों को कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

उत्तर प्रदेश में राजधानी लखनऊ से सटे बाराबंकी, सीतापुर तथा रायबरेली के अलावा पश्चिमी यूपी में किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान कई जगहों पर पराली जलाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है। कई जगह पर सड़क जाम करने का प्रयास भी किया गया है। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी किसान इसके विरोध में सड़क पर उतरे हैं। पंजाब में भारत बंद के तहत बाजार और दुकानें बंद हैं। इसके अलावा सड़क और रेल यातायात भी ठप है। प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा-व्यवस्था के कड़े इंतेजाम किए गए हैं। अमृतसर में किसानों के बंद के समर्थन में पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार हरदीप गिल और अनीता देवगन भी पहुंचे और प्रदर्शन किया।

किसानों के देशभर में भारत-बंद के ऐलान के मद्देनजर दिल्ली-यूपी सीमा पर अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। दिल्ली बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था की गई है।कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि किसानों से एमएसपी छीन ली जाएगी। उन्हें कांट्रेक्ट फार्मिंग के जरिए खरबपतियों का गुलाम बनने पर मजबूर किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ना दाम मिलेगा ना सम्मान। किसान अपने ही खेत पर मजदूर बन जाएगा। भाजपा कृषि बिल ईस्ट इंडिया कंपनी राज की याद दिलाता है। हम ये अन्याय नहीं होने देंगे।

अमृतसर में रेल ट्रैक पर धरना दे रहे किसानों ने एलान किया कि उनका धरना 29 सितंबर तक जारी रहेगा

कृषि विधेयकों के विरोध में प्रदर्शन करते किसान

क्या है किसानों की चिंता

किसानों की असली चिंता एमएसपी (टरढ) को लेकर है। कृषि मंडियों को लेकर है। उन्हें डर है कि नए बिल के प्रावधानों की वजह से कृषि क्षेत्र पूंजीपतियों और कॉर्पोरेट घरानों के हाथों में चला जाएगा। कुछ संगठन और सियासी दल चाहते हैं कि एमएसपी को बिल का हिस्सा बनाया जाए ताकि अनाज की खरीदारी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे ना हो। जबकि सरकार साफ-साफ कह चुकी है कि एसएसपी और मंडी व्यवस्था पहले की तरह ही जारी रहेगी।

संसद के दोनों सदनों ने जिन दो विधेयकों पर मुहर लगाई है, उनमें पहला कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 और दूसरा कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक 2020 शामिल हैं। इन्हीं दोनों बिल को लेकर किसान सड़क पर हैं।

5जी के खिलाफ आज भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में प्रदर्शन

रेडिएशन के घातक प्रभाव को लेकर लोगों में डर

मुंबई [मिड-डे]। ऐसे में जब दुनिया के दिग्गज देश 4जी नेटवर्क के बाद 5जी यानी पांचवीं पीढ़ी के नेटवर्क को लेकर आतुर हैं। इसके कथित दुष्प्रभावों की आशंका को लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं की ओर से पुरजोर विरोध की आहट भी सुनाई देने लगी है। अंग्रेजी अखबार मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के कई हिस्सों में शनिवार को 5जी नेटवर्क के खिलाफ विरोध प्रदर्शन होने जा रहा है। यही नहीं मुंबई की सेलफोन रेडिएशन विरोधी लॉबी भी इन प्रदर्शनों में शरीक होगी। कार्यकताओं का कहना है कि सरकार को 5जी नेटवर्क लाने से पहले इसके दुष्प्रभावों और सुरक्षा को लेकर अध्ययनों पर भी गौर करना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये विरोध प्रदर्शन वर्चुअल भी होंगे। सामाजिक कार्यकर्ता इन प्रदर्शनों को लेकर तैयारियां कर रहे हैं। वे 5जी नेटवर्क से होने वाले रेडिएशन पर केंद्रित तख्तियां और बैनर तैयार कर रहे हैं। 5जी नेटवर्क के खिलाफ लोग जानकारियां और अपनी प्रतिक्रियाएं पर भेज रहे हैं। मालबार हिल के निवासी प्रकाश मुंशी कहते हैं कि हमारी चिंता भी समान है। हम सबसे पहले 5जी के बारे में जागरूकता पैदा करना चाहते हैं। यह 4जी से छोटा कदम नहीं है लेकिन हमारे स्वास्थ्य के बारे में भी चिंता की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि 5जी नेटवर्क के चलते पैदा हुए रेडिएशन का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

प्रकाश मुंशी ने सवाल किया कि आखिर क्यों हमारी सरकार और इंडस्ट्री बिना परीक्षण किए ही हम पर यह टेक्नोलॉजी थोपना चाहती हैं। क्यों नागरिकों को प्रयोगशालाओं के चूहों की तरह ट्रीट किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि हमारे पास जो तकनीक आ रही है उसका कोई विशेष अध्ययन नहीं किया गया है। हमारी विनम्र गुजारिश है कि दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियां नागरिकों के स्वास्थ्य की कीमत पर धन कमाने की कोशिश ना करें। एक समय ऐसा आएगा जब आपकी तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए कोई नागरिक नहीं बचेगा... तब आप 5जी किसे बेचेंगे।

अंधेरी लोखंडवाला के सुरजीत सिंह दादियाला कहते हैं कि यह विरोध प्रदर्शन इसलिए होने जा रहा है क्योंकि 5जी के प्रतिकूल प्रभावों को लेकर कोई विशिष्ठ अध्ययन नहीं किया गया है। हम नई तकनीक को अपनाने के खिलाफ नहीं हैं। हम मौजूदा वक्त में इसकी अहमियत को बखूबी समझते हैं लेकिन हमारी कोशिश सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करने पर है कि ऐसे में जब 135 करोड़ की आबादी वाला यह देश कोरोना संकट से पहले ही जूझ रहा है तो इस नई तकनीक को अपनाने से पहले इसके दुष्प्रभावों की आशंका को लेकर मुकम्मल अध्ययन कर लिया जाना चाहिए।

सुरजीत सिंह दादियाला ने कहा कि हमें कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों पर भी नजर डालनी होगी। मौजूदा वक्त में किस तेजी के साथ यह जानलेवा बीमारी (कैंसर) लोगों को अपनी गिरफ्त में लेती जा रही है। वैसे भारत में दूरसंचार टावरों से होने वाले रेडिएशन के मसले पर बीते कुछ वर्षों से अहमदाबाद में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। अहमदाबाद के निशीथ पटेल कहते हैं कि हम भी मुंबई के सामाजिक कार्यकताओं के संपर्क में हैं। हम भी वर्चुअल प्रदर्शनों में पोस्टर बैनर अपलोड करेंगे। बता दें कि 5जी नेटवर्क से होने वाले कथित रेडिएशन के दुष्प्रभावों को लेकर पहले भी कई रिपोर्टें आ चुकी हैं।

बीते दिनों समाचार एजेंसी आइएएनएस ने अपनी एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों के हवाले से बताया था कि इस नेटवर्क का प्रसार होने के बाद मोबाइल टावरों की संख्या बढ़ेगी। यही नहीं आरएफ सिग्नल की ताकत बहुत ज्यादा होती है जिसके विकिरण से स्वास्थ्य खराब होने की आशंका भी है। हालांकि विशेषज्ञों का यह भी कहना था कि जब तक नियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित सुरक्षा के मानकों का पालन होगा तब तक आरएफ से डरने की जरूरत नहीं है। बताया जाता है कि 5जी की गति 4जी के मुकाबले कई गुना ज्यादा होगी जिसके लिए तीव्र विकिरण की जरूरत होती है।

बिहार में चुनाव की तारीखों का ऐलान, तीन चरणों में वोटिंग, 10 नवंबर को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना संकट की तमाम चुनौतियों को दरकिनार करते हुए चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार के सियासी महासमर का ऐलान कर दिया है। कोरोना को देखते हुए पिछले दो दशक में संभवतः सबसे कम अवधि और चरणों में चुनाव की पूरी प्रकिया होगी। 28 अक्टूबर से तीन चरणों में मतदान तीन नवंबर और सात नवंबर को होगा और नतीजे की घोषणा 10 नवंबर को होगी। खास बदलाव यह है कि मतदान के लिए एक घंटे का वक्त बढ़ाया गया है। यह सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा। यह बदलाव नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नहीं होगा। अन्य सुरक्षा इंतजाम भी किए गए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने बिहार विधानसभा चुनाव का ऐलान करते हुए कहा कि कोरोना काल में यह देश का पहला बड़ा चुनाव होने जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में कोरोना के चलते दुनिया के करीब 70 देशों में चुनाव का टाले गए है। हम चाहते थे, कि लोगों का लोकतंत्र का अधिकार बना रहे। यही वजह है कि सभी स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों के तहत चुनाव कराने जा रहे है।

कोरोना संक्रमण को देखते हुए पोलिंग बूथों की संख्या भी बढ़ाई गई है। 2015 के चुनाव में बिहार में कुल 65 हजार पोलिंग बूथ बनाए गए थे, इस बार इनमें करीब 63 फीसद की बढ़ोत्तरी गई की गई है। जो अब 1.06 लाख हो गई है। इसके तहत प्रत्येक पोलिंग बूथ पर वोटरों की संख्या अब औसतन 684 के आसपास हो गई है। पहले यह पंद्रह सौ या उससे ज्यादा भी होती थी। चुनाव तीन चरणों में होगा। पहले चरण में 16 जिलों और 71 सीटों पर चुनाव। दूसरे चरण में 17 जिलों में चुनाव होगा। दूसरे चरण में 94 सीटों पर चुनाव होगा।तीसरे चरण में 15 जिलों में 78 सीटों पर चुनाव होगा। पहले चरण की अधिसूचना 1 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 8 अक्टूबर है। 28 अक्टूबर को पहले चरण का मतदान होगा। दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 9 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 16 अक्टूबर होगी। 3 नवंबर को दूसरे चरण की वोटिंग होगी। इसी तरह तीसरे चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 20 अक्टूबर होगी। आखिर चरण की वोटिंग 7 नवंबर को होगी। इसके साथ ही 10 नवंबर को चुनाव परिणाम आएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव के दौरान सोशल मीडिया का इस्तेमाल भी एक चुनौती है। सोशल मीडिया पर कोई भी अगर समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश करता है तो उसपर कानूनी कार्रवाई होगी। सभी मतदान केंद्र ग्राउंड फ्लोर पर ही होंगे। उम्मीदवारों के बारे में जानकारी वेबसाइट पर देनी होगी। उम्मीदवारों पर केस की जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। चुनाव आयोग ने बताया कि नामांकन के दौरान उम्मीदवार के साथ दो से ज्यादा वाहन नहीं जा सकते हैं। इस बार वर्चुअल चुनाव प्रचार होगा। बड़ी- बड़ी जनसभाएं नहीं की जा सकेंगी।

सुबह 7 बजे से शाम के 6 बजे तक होगी वोटिंग : चुनाव आयोग

बिहार विधानसभा चुनाव में कुल 7 करोड़ से ज्यादा मतदाता अपने वोट का इस्तेमाल कर पाएंगे। बिहार विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन डल्ल’ल्ली और डा’ल्ली भरे जा सकते हैं। सुबह 7 बजे से शाम के 6 बजे तक होगी वोटिंग। मतदान का समय एक घंटा बढ़ा दिया गया है। नामांकन ऑनलाइन भी किया जा सकेगा। विधानसभा कैंडिडेंट समेत कुल 5 लोग ही डोर टू डोर कैंपेन में शामिल होंगे। 5 से ज्यादा लोग घर जाकर प्रचार नहीं कर पाएंगे।

कोविड के चलते नए सुरक्षा मानकों के तहत होंगे चुनावः चुनाव आयोग

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने कहा कि कोविड के चलते नए सुरक्षा मानकों के तहत चुनाव होंगे। पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की संख्या घटाई जाएगी। एक बूथ पर 1 हजार मतदाता होंगे। 7 लाख हैंड सैनेटाइजर, 6 लाख पीपीई किट्स, 23 लाख हैंड ग्लब्स का इंतजाम किया गया है। 7 लाख से ज्यादा हैंड सैनिटाइजर और 46 लाख से ज्यादा मास्क उपलब्ध करवाए जाएंगे। कोरोना काल में लोगों के हेल्थ और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। चुनाव आयोग ने इसके लिए काफी तैयारी की है। चुनाव कार्यक्रम को भी इसी को ध्यान में रखकर बनाया गया है। राज्यसभा चुनाव और विधान परिषद चुनावों में हमने ऐसा किया है।

2019 में हुए लोकसभा चुनाव में बिहार की 40 में 39 सीटें एनडीए को मिली थीं। सिर्फ एक सीट पर कांग्रेस का उम्मीदवार जीता था। लोकसभा के नतीजों को अगर विधानसभा क्षेत्र के हिसाब से देखें तो एनडीए को 223 सीटों पर बढ़त मिली थी। इनमें से 96 सीटों पर भाजपा तो 92 सीटों पर जदयू आगे थी। लोजपा 35 सीटों पर आगे थी। एक सीट जीतने वाला महागठबंधन विधानसभा के लिहाज से 17 सीटों पर आगे था। इनमें 9 सीट पर राजद, 5 पर कांग्रेस, दो पर हम (सेक्युलर) जो अब एनडीए का हिस्सा हैं और एक सीट पर रालोसपा को बढ़त मिली थी। अन्य दलों में दो विधानसभा क्षेत्रों में एआईएमआईएम और एक पर सीपीआई एमएल आगे थी। बिहार विधानसभा में कुल 243 विधानसभा सीटें हैं। इस वक्त भाजपा और जदयू का गठबंधन सत्ता में है। राजद बिहार में अभी सबसे बड़ी पार्टी है, जिसके पास 73 सीटें हैं। लेकिन नीतीश कुमार की जदयू ने 2017 में आरजेडी से गठबंधन तोड़कर भाजपा के साथ सरकार बनाई है। बिहार में एक बार फिर चुनावी जंग एनडीए और महागठबंधन के बीच लड़ी जानी है। भाजपा की ओर से ऐलान किया गया है कि एनडीए नीतीश कुमार की अगुवाई में ही चुनाव लड़ेगा।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज शनिवार, 26 सितम्बर, 2020

कोरम के अभाव मे उचित दर विक्रेता चयन प्रक्रिया स्थगित

उपजिलाधिकारी बारा ने लिया संज्ञान, अगली बैठक 10 अक्टूबर को

शंकरगढ़। विकास खंड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत झंझरा चौबे की उचित दर विक्रेता (कोटे) की चयन हेतु खुली बैठक का आयोजन शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय झंझरा चौबे में जिलाधिकारी कार्यालय के आदेशानुसार रखी गई थी। जिसमे स्थानीय स्तर पर नियमों की अनदेखी कर ग्रामसभा के ग्रामीणों को जानकारी नही दी गई। झंझरा चौबे निवासी दिलीप कुमार चतुर्वेदी को जानकारी मिलने पर उपजिलाधिकारी बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव व एडीओ पंचायत ओमप्रकाश पांडेय शंकरगढ़ से दूरभाष द्वारा बात कर नियमों के अनदेखी का आरोप लगाया गया। जिसको उपजिलाधिकारी बारा ने तत्काल संज्ञान मे लेते हुए निर्देशित किया,कि बिना कोरम पूरा किए कार्यवाही ना की जाय। शुक्रवार दोपहर नोडल अधिकारी पशु चिकित्साधिकारी जसरा सुनील मिश्रा, सेक्टर प्रभारी एडीओ आईएसबी धीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी,ग्राम पंचायत अधिकारी दीपेश सिंह, ब्लाक मिशन से राममिलन आदि अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त करते हुए कोरम के अभाव में बैठक को सर्वसम्मति से स्थगित कर दी। और अगली खुली बैठक व चयन प्रक्रिया 10 अक्टूबर 2020 को दोपहर 12 बजे रखी गई।अधिकारियों ने बताया कोटे चयन के लिए अभ्यर्थी पिछड़ी जाति महिला आरक्षित है। तीन समूहो की ग्रेडिंग की गई है जिसमे कविता समूह से सुमन सिंह 47 अंक, जय माता महिला एसएचजी सीमा मांझी 45 अंक, पूजा समूह से सीता 44 अंक की ग्रेडिंग की गई है। जिसमे ग्रामीणों द्वारा अगर आपसी सहमति बन जाती है तो कोटेदार समूह घोषित किया जाऐगा। सहमति ना बनने पर खुली बैठक में पूरे ग्राम सभा के नागरिक जो 18 वर्ष के ऊपर होगे वह सार्वजानिक रूप से चुनाव प्रक्रिया पूरी कर अपने उचित दर विक्रेता का चयन करेंगे। झंझरा चौबे, झंझरा पांडेय, हिनौती, चकगरीबा, धबैया आदि के ग्रामिणो ने ग्राम सभा झंझरा चौबे के मध्य जगह खुली बैठक का निर्धारित करने का अनुरोध उपजिलाधिकारी से किया। इस मौके पर संजय चतुर्वेदी, रमेश कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, बालेन्द्र सिंह, पुष्पराज सिंह, सरदार सिंह, कुवर सिंह, उमेश सिंह, दिनेश द्विवेदी, दिलीप सिंह,जतन तिवारी, अरूण तिवारी, राजेश चौबे आदि के साथ भारी संख्या मे महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित ग्रामवासी व अधिकारी

रूट मार्च करते उपजिलाधिकारी बारा व पुलिस

कोविड-19की रोकथाम के लिए उप जिलाधिकारी बारा के कुशल नेतृत्व में किया गया रूट मार्च

जारी। कौंधियारा क्षेत्र के जारी बाजार के समस्त व्यापारियों, ग्राहकों एवं जनमानस को एसडीएम बारा द्वारा लाउड इन हेलर के माध्यम से लोगों से अपील की और कहा की सभी व्यापारी व जन मानस मुंह में मार्क्स का प्रयोग जरूर करें।क्योंकि पुलिस व अन्य अधिकारियों द्वारा बार-बार लोगों को सचेत किया जा रहा है। उसके बावजूद भी ऐसे बहुत से लोग हैं जो मार्क्स का प्रयोग नहीं करते परंतु कोविड-19 की रोकथाम के लिए मार्क्स का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है ।जिस पर आज लोगों को लाउट इन हेलर (एलाउन्समेंट) के माध्यम से लोगो को सचेत किया।

साथ ही साथ उप जिलाधिकारी बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव ने बताया कि क्षेत्र में कई बार समाचार पत्र व विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मार्क्स लगाने की अपील समय-समय पर की जाती रही है। परंतु लोग महामारी को अनदेखा कर रहे हैं बल्कि अभी भी यह महामारी हम लोगों के बीच पूर्ण रूप से व्याप्त है। लोगों को इससे बचने के लिए सावधानियां बरतनी बहुत जरूरी है। जिसमें पुलिस टीम के साथ साथ तहसीलदार बारा डॉक्टर विशाल शर्मा क्षेत्राधिकारी बारा नवीन कुमार नायक ऐसो बारा , कौंधियारा थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ जारी बाजार में पैदल गस्त के दौरान लोगों को मास्क लगाने की हिदायत दी गई।

ग्राम प्रधानों व सचिवों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

करछना। पंचायती राज निदेशालय लखनऊ के तत्वावधान में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के अंतर्गत विकास खण्ड चाका के ग्राम प्रधानों एवं सचिवों की पीएफएमएस ऑनलाइन पेमेंट प्रणाली को लागू किये जाने हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमे प्रधानों और सचिवों ने प्रतिभाग किया । प्रधानों व सचिवों को ई ग्राम स्वराज प्रणाली लागू किये जाने हेतु प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य पंचायतों के विकास कार्यो हेतु वर्तमान में लागू ऑफलाइन व्यवस्था के स्थान पर ऑनलाईन व्यवस्था किया जाना है। जिससे ग्राम पंचायतों का कार्य त्वरित गुडवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी रूप में संचालित किया जा सकेगा । इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में ग्राम पंचायत विकास योजना एवं राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के सम्बंध में विस्तृत प्रशिक्षण देते हुए ग्राम सभा के सशक्तिकरन में प्रधानों एवं कर्मचारियों की भूमिका को प्रभावी बनाना है। प्रशिक्षण में सोशल डिस्टेंस और कोविड19 कि गाईड लाइन को ध्यान में रखा गया । इस अवसर पर प्रशिक्षक अमित मिश्रा, आशीष तिवारी, विक्रमादित्य गौतम, शिवराज एप्रिया केसरवानी, अंजना शुक्ला एवं ग्राम प्रधान व सचिव मौजूद रहे।

प्रशिक्षण लेते प्रधान व सचिव

मौसम की मार से किसानों के ऊपर मंडराया संकट के बादल

घूरपुर। एक तरफ जहां कोरोना के महामारी का दंश झेल रहे किसानों को किसान सम्मान योजना के तहत मिले दो हजार रुपए किसानों के उत्पादन में कहीं न कहीं मददगार जरूर साबित हुआ था।वहीं इस भारी बारिश के साथ तेज हवा की वजह से मानो कोरोना से देश को जितना नुकसान हुआ है उतना ही नुकसान तेज हवा के साथ हुई बारिश के चलते किसानों को झेलना पड़ रहा है।किसान चिंतित हो गए है कि उन्हे अब क्या करना चाहिए। यह एक जगह का हाल नहीं बल्कि पूरे जनपद के किसानों का अगेती धान आदि की फसल बर्बाद होते दिख रही है।क्योकि लगातार भारी बारिश और हवा से धान की फसलें गिरकर पानी में तैर रही है।इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं बाजरा उरद आदि की फसलें भी जमीन पकड़ ली है। क्षेत्र के घूरपुर, जसरा, गौहनिया, बारा, लालापुर, करमा के किसानों की भारी नुकसान हुआ है। वहीं करमा दानपुर, बरौली, हथिगनी, क्षेत्र के नालों की सफाई नहीं होने से नालों का पानी हवा से गिरे धानों की खेतों में भर जाने से फसलें और जलमग्न हो गई है। बारिश शुरू होते ही किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई थी।बारिश के कारण जहां किसानों को भरोसा हो चला था की धान की सिचाई नही करनी पड़ेगी वहीं लगातार भारी बारिश और तेज हवा के झोके ने सारे अरमानों पर पानी फेर कर रख दिया है।

घूरपुर में हवा व बारिश के चलते की गिरी धान की फसल व भरा पानी

पंखा लगाते समय करंट की चपेट में आई युवती की मौत परिजनों में कोहराम

घूरपुर। घूरपुर के बादलगंज में गुरुवार रात पंखा लगाते समय एक युवती की करंट की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। क्षेत्र के बादलगंज गांव निवासी राम तौल की बीस वर्षीय एकलौती बेटी साधना गुरुवार की रात खानापीना करने के बाद कमरे में सोने गई तो टेबिल फैन लगाने के लिए बोर्ड में प्लग लगाते समय करंट की चपेट में आ गई परिवार वाले कुछ समझ पाते तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बेटी की मौत देख परिजनों में रोना पिटना मच गया। साधना के माता पिता सहित तीनो भाईयों का रो रोकर बुरा हाल हो गया।

कांग्रेसियो ने कृषि बिल को बताया किसान विरोधी

करछना। ब्लाक कांग्रेस कमेटी करछना के कार्यकर्ताओं की एक बैठक पार्टी कार्यालय करछना मे हुईएजिसमे केन्द्र सरकार द्वारा किसान विरोधी बिल पास करने पर इसे किसानो के साथ धोखा करार दिया और कहा कि किसानो के हितो की रक्षा करने मे यह सरकार विफल है और पूंजीपतियो के इशारे पर किसानो को गुलाम बनाने की साजिश है।इस दौरान रगराज सिहएडा0 दिनेश कुमार सोनी शिव विजय सिहएविद्याधर मिश्र रमेश प्रताप सिह, सुरेश पटेल, प्रकाश पाडेय, आशीष मिश्र, कौशलेन्द्र गौड आदि मौजूद रहे।

मनाया गया पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी समारोह

सिरसा। यमुनापार मेजा तहसील में पंडित दीनदयाल उपाध्याय चित्र पर मालार्पण व दिप प्रज्वलित करके बड़े हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया गया। करोना वायरस महामारी संक्रमण बीमारी को ध्यान में रखते हुए समाजिक दूर बनाते हुए। उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए भजपा कार्यकर्ताओ ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 ई0 को राज्यस्थान के धन्किया के एक मध्यम वर्गीय प्रतिष्ठित हिन्दू परिवार में हुवा था। इन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भागीदारी निभाई और भारतीय सजसंघ(वर्तमान भारतीय जनता पार्टी)के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।जिन्होंने अपना जीवन लोकतंत्र की शक्तिशाली बनाने और जनता की बातों को आगे रखने में लगा दिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय कार्य विचारक, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, इतिहासकारक और पत्रकार भी रहे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंदर की लहर की पत्रकारिता तब प्रबल हुई जब इन्होंने लखनऊ से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका ₹राष्ट्रीधर्म₹ में वर्ष 1940 ई0 के दशक में कार्य किये। अपने आर एस एस के कार्यकाल के दौरान समाचार पत्र ₹स्वदेश₹ शुरू किया था। इन्होंने नाटक ,चन्द्रगुप्त मौर्य और हिंदी में शंकराचार्य की जीवनी लिखी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक महान चिंतक और संगठनकर्ता थे।जिन्होंने भारत की सनातन बिचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद जैसी प्रगतशील बिचारधारा भारतीय जनता पार्टी केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी पर हो रहे एकउद्देष्य यह भी है कि आम जनता को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की गरीब और असहाय लोगो को जानकारी मिले।जिससे गरीब और पात्र लोगो योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके।पंडित दीनदयाल उपाध्याय से प्रेणा लेते हुए गरीब की सेवा करने के लिए आगे आना चाहिए। भाजपा कार्यकताओं ने सरकार कि योजनाओं के बारे में लोगो को जानकारी दिए।पंडित दीनदयाल उपाध्याय का निधन 11फरवरी 1968 मुगलसराय रेलवे स्टेशन पर निष्प्राण शरीर पाया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के उपल्श में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकता मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष पवन सोनी, जिलाउपाध्यक्ष लखन विश्वकर्मा, जिलामहामंत्री प्रेम शर्मा, सूचना प्रमुख अक्षय कुमार विश्वकर्मा, तहसील अध्यक्ष मेजा अजय कुमार विश्वकर्मा, तहसील उपाध्यक्ष मेजा भगवान दास प्रजापति, तहसील उपाध्यक्ष मनोज कुमार विन्द, तहसील मंत्री मेजा विकाश कुमार विन्द आदि सैकड़ो भाजपा कार्यकता उपस्थित थे।

जन्मदिन मनाते भाजपाई

जसरा में चला बिजली चोरी व राजस्व वसूली अभियान

जसरा। जसरा बाजार में बिजली विभाग की ओर से बिजली चोरी व राजस्व वसूली का एक अभियान उपखंड अधिकारी संजीव कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में चलाया गया। जिसमें बिजली विभाग की 4 टीमों ने दो सौ से अधिक घरों के बिजली की जांच की तथा लगभग तीन लाख रुपए राजस्व की वसूली भी की गई। शुक्रवार को जसरा बाजार व शिवपुरी कॉलोनी में बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों के निदेर्शानुसार उपखंड अधिकारी संजीव कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में राजस्व वसूली व बिजली चोरी अभियान चलाया गया। एसडीओ संजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जसरा में कुल 212 घरों की जांच की गई। जिसमें 24 उपभोक्ताओं का 36 केवी लोड बढ़ाया गया। तथा 40 लोगों का विधा परिवर्तन कर घरेलू से कामर्शियल कनेक्शन किया गया। अभियान में 17 नए मीटर लगाए गए तथा 10 लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया। जिनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा रही है।18 लाख रुपए के बिजली बकाए दार 55 लोगों के बिजली काट दी गई । टीम के सदस्यों में अवर अभियंता पंकज कुमार मौर्या, आशीष कुमार,सुनील कुमार लाइन मैन सिपाही लाल पाल सहित बिजली विभाग के दर्जनों कर्मचारी शामिल रहे । बिजली विभाग अभियान की जानकारी होते ही जसरा बाजार की दुकानों का शटर गिर गया। लोग अपनी दुकान बंद करके मौके से हट गए।

बिना मास्क के दो दर्जन व्यक्तियों पर महामारी अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई

लालापुर। लालापुर क्षेत्र के समस्त व्यापारियों, ग्राहकों एवं जनमानस को थाना अध्यक्ष लालापुर अमित कुमार राय द्वारा लाउड इन हेलर के माध्यम से लोगों से अपील की और कहा की सभी व्यापारी वा जन मानस मुंह में मार्क्स का प्रयोग जरूर करें ।क्योंकि लालापुर पुलिस व अन्य अधिकारियों द्वारा बार-बार लोगों को सचेत किया जा रहा है। उसके बावजूद भी ऐसे बहुत से लोग हैं जो मार्क्स का प्रयोग नहीं करते परंतु कोविड-19 की रोकथाम के लिए मार्क्स का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है ।जिस पर आज थानाध्यक्ष लालापुर ने नगर के लालापुर चौराहा, अमिलिया, प्रतापपुर, चिल्ला मोड़, आदि जगहों पर लोगों को लाउट इन हेलर(एलाउन्समेंट) के माध्यम से लोगो को सचेत किया। साथ ही साथ बिना मार्क्स वाले लगभग दो दर्जन व्यक्तियों को कार्रवाई करते हुए उन पर जुमार्ना वसूला साथ ही साथ। साथ ही साथ थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में कई बार समाचार पत्र व विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मार्क्स लगाने की अपील समय-समय पर की जाती रही है। परंतु लोग महामारी को अनदेखा कर रहे हैं बल्कि अभी भी यह महामारी हम लोगों के बीच पूर्ण रूप से व्याप्त है। लोगों को इससे बचने के लिए सावधानियां बरतनी बहुत जरूरी हैं।

बिना मास्क वालों के खिलाफ कार्रवाई करती पुलिस

हाईकोर्ट समाचार

कोरोना काल में 65 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों की रिहाई की मांग में याचिका, सरकार से जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या और जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की सुरक्षा को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर राज्य सरकार से दो हफ्ते में जवाब मांगा है। याचिका की सुनवाई 14 अक्तूबर को होगी। याची का कहना है कि जेलों में 65 साल से अधिक आयु के बंद कैदियों की रिहाई की जाय और उनकी जमानत ह्वपेरोल या अग्रिम जमानतह्व अर्जियों को निस्तारित किया जाय। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर तथा न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने अधिवक्ता मन मोहन मिश्र की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने विपक्षियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याची अधिवक्ता का कहना है कि प्रदेश की जेलों में भीड़ है। इसलिए सरकार को कैदियों की संख्या कम करने के लिए उनकी रिहाई या जमानत पर रिहा करने का आदेश देना चाहिए।

कोई भी नागरिक बिना मास्क का नहीं दिखाई देना चाहिए : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मास्क पहनने को अनिवार्य नियम बनाते हुए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया है कि प्रदेश में कोई भी नागरिक घर से बाहर बिना मास्क के दिखाई नहीं देना चाहिए। घर से बाहर निकलने वाले हर व्यक्ति का मुंह और नाक ढंका होना चाहिए। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले पर मौजूदा कानून के तहत ही कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए हर जिले के प्रत्येक थाने में एक टास्क फोर्स गठित करने का निर्देश दिया है। अदालत ने प्रशासन और पुलिस को इस बात के लिए भी आगाह किया है वह मास्क पहनना सुनिश्चत करने की नाकामी जनता पर नहीं थोप सकेंगे। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के प्रयासों की मॉनिटरिंग कर रही न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अजीत कुमार की पीठ ने कहा कि मास्क न सिर्फ पहनने वाले को संक्रमण से बचाएगा बल्कि पूरे समाज को सुरक्षित करेगा। यदि कोई व्यक्ति मास्क नहीं पहनता है तो वह पूरे समाज के प्रति अपराध करेगा। और समाज के प्रति अपराध करने वाले को दंडित किया ही जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा है कि दुनिया भर के विशेषज्ञ इस बात को मान रहे हैं कि कारोना से बचने के एक ही रास्ता है शारीरिक दूरी और मास्क पहनना। यदि सभी लोग मास्क पहनने लगे तो इससे संक्रमण खदु ब खुद रुक जाएगा। कोर्ट ने नगर निगम प्रयागराज को निर्देश दिया है कि वह कोरोना से संबंधित प्रगति की सूचना हर दिन हाईकोर्ट लीगल सेल को ईमेल के माध्यम से दें। इसी प्रकार से वार्डों में नियुक्त एडवाकेट कमिश्नर जोनल अफसरों को स्थिति से अवगत कराते रहें। कोर्ट ने होम आइसोलेशन वाले मरीजों के एक्स रे और सिटी स्कैन के लिए हर जिले में एक अलग अस्पताल की व्यवस्था का निर्देश दिया है क्योंकि कोरोना संक्रमित मरीजों का सीटी स्कैन और एक्सरे कोई अस्पताल नहीं कर रहा है।

कोर्ट ने संगम पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर मुख्य सचिव से मांगा हलफनामा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज संगम पर स्नान आदि के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों व अन्य स्नानार्थियों की वर्ष भर सुरक्षा इंतजाम करने के पूर्व पारित आदेश के अनुपालन रिपोर्ट के साथ प्रदेश के मुख्य सचिव राजेन्द्र प्रसाद तिवारी से उनका व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा है कि यदि जारी निदेर्शों का पालन नहीं किया गया तो कोर्ट उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही करेगी। याचिका की सुनवाई 26 नवम्बर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र ने श्रीमती टीना श्रीवास्तव व अन्य की अवमानना याचिका पर दिया है। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि मुख्य सचिव ने तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन इस सम्बंध में रिपोर्ट तैयार करने के लिए किया है। सुनवाई दो माह के लिए स्थगित की जाय। किन्तु कोर्ट ने इसे नहीं माना और आदेश का पालन करने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि 19 सितम्बर 2015 को लोग अस्थि विसर्जन के लिए संगम गये थे। जल निगम की नाव पर 18 लोग सवार थे। कुछ दूर जाने के बाद नाव यमुना नदी में पलट गयी। जिसमें से दूसरे नाविकों ने 15 लोगो को बचा लिया, किन्तु तीन लोग डूब गये थे। इस नाव हादसे में हाईकोर्ट के अधिवक्ता श्रवण कुमार श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव व शंकर लाल मौर्य की डूबने से मौत हो गयी थी। याची पत्नी ने याचिका दाखिल कर सुरक्षा उपायों सहित जीवन यापन के लिए मुआवजा दिलाने की मांग की। कोर्ट ने मुख्य सचिव को प्रयाग संगम पर स्नान आदि को आने वालो की केवल माघ मेले में ही नही पूरे वर्ष भर सुरक्षा इंतजाम करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मुआवजे के मुद्दे पर कानून के अभाव के चलते आदेश तो नहीं दिया किन्तु मुख्य सचिव से याचियों की स्थिति को देखते हुए आर्थिक सहायता या नौकरी देने के सम्बंध में निर्णय लेने का निर्देश दिया। इन आदेशों का पालन न करने पर यह अवमानना याचिका दाखिल की गयी है।

पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थियों की पुलिस भर्ती मे आयु सीमा में छूट की मांग में याचिका कोर्ट ने मांगी जानकारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2018 की पुलिस पीएसी भर्ती में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट देने की मांग मे दाखिल याचिका पर राज्य सरकार के अधिवक्ता से जानकारी मांगी है। याचिका की सुनवाई 5 अक्टूबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने हरिहर प्रसाद निषाद की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि 26 नवम्बर 18 को पुलिस भर्ती बोर्ड ने पुलिस भर्ती निकाली। अर्हता आयु 1 जुलाई 18 को 22 वर्ष तय की गयी। सुप्रीम कोर्ट ने राजेन्द्र सिंह केस में पुरूष अभ्यर्थियों को आयु सीमा में एक वर्ष की छूट दी। याची का कहना है कि क्षैतिज आरक्षण नियमों के तहत पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट रहेगी। याची की आयु उस समय 28 वर्ष थी। इसलिए उसे भी आवेदन भरने की अनुमति दी जानी चाहिए। किन्तु बोर्ड ने उसे अयोग्य घोषित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट व पिछड़े वर्ग की छूट के अनुसार याची भी आवेदन भरने का हकदार है। याचिका की अगली सुनवाई 5 अक्तूबर को होगी।

कम्प्यूटर ऑपरेटरों की भर्ती में बचे पदों को भरने की याचिका पर सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटरों की भर्ती में बचे हुए पदों को भरे जाने की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में मांग की गई है कि कई अभ्यर्थियों के ज्वाइन न करने के कारण जो पद बचे रह गए हैं, उनको प्रतीक्षा सूची से भरा जाए। आशीष कुमार व अन्य की याचिका पर न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र ने आदेश दिया। याचीगण का कहना था कि वे ओबीसी और एससी कैटेगरी के हैं। 2017 में कंप्यूटर ऑपरेटर की भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया। याचीगण ने आवेदन किया और लिखित परीक्षा तथा कंप्यूटर टाइपिंग टेस्ट में सफल रहे। मगर किसी वजह से उनका नाम सफल अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची में नहीं आ पाया। उनको पता चला है कि लिखित परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद मेडिकल टेस्ट के लिए बुलाए जाने पर कई अभ्यर्थी टेस्ट के लिए नहीं गए और उन्होंने ज्वाइन नहीं किया है। ऐसी स्थिति में 34 पद रिक्त रह गए, जिस पर याची गण की नियुक्ति की जाय। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस भर्ती बोर्ड व राज्य सरकार को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

मुंगारी टोल प्लाजा पर सपा नेता से अभद्रता, शिकायत

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के मुंगारी टोल प्लाजा पर शुक्रवार को फिर से विवाद हो गया। सपा नेता शिव यादव का आरोप है कि तैनात टोल कर्मियों ने गाली गलौज एवं अभद्रता की। शिव यादव ने औद्योगिक क्षेत्र थाने में नामजद तहरीर दी है। नैनी कोतवाली क्षेत्र के धनुहा गाँव निवासी शिव यादव पुत्र मोहन लाल यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह शुक्रवार दोपहर में टोल प्लाजा से गुजर रहा था, तभी वहां पर मुंगारी गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने उसे रोक लिया और गुंडा टैक्स मांगने लगा। विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए धमकी देने लगा। जिससे वहां हंगामा खड़ा हो गया। पूरा घटनाक्रम वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है।

विरोध दिवस के कार्यक्रम को वर्कर्स यूनियन का समर्थन

कोरांव। आल इण्डिया एससी/एसटी इम्प्लाइज एसोसिएशन द्वारा निगमीकरण/ निजीकरण के खिलाफ 'राष्ट्रव्यापी विरोध दिवस' के कार्यक्रम को पूरी तरह समर्थन देते हुए। नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के महामंत्री व इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड मनोज पाण्डेय ने कहा कि केंद्र सरकार जनता की सवारी भारतीय रेल को बेचती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ जो ताकते संघर्ष कर रही हैं हम उनके साथ बिना शर्त समर्थन करते हुए खड़े रहेगें, साथ ही हम अपनी यूनियन और फेडरेशन की तरफ से लगातार कोशिश करते रहें हैं । श्री पांडे ने कहा कि उसी प्रयास कि वजह से नेशनल मूवमेंट टू सेव रेलवे जैसे एक मंच का गठन हुआ है जिसमें ऑल इंडिया एस सी/एस टी के बहादुर साथियों की बडी भूमिका रहीं है,। यकीनन हम सब मिलकर लड़ेगे, जीतेगें।

किसानों के लिए पारित नए कानून के विरोध में की नारेबाजी, जुलूस निकाल फूंका पुतला

एहतियातन पुलिस पीएसी के साथ डटे रहे प्रशासनिक अधिकारी, बंद रहा घूरपुर बाजार

घूरपुर। सरकार द्वारा संसद में पारित कराए गये तीन नए खेती के कानून के विरोध में संघर्ष का बिगुल बजाते हुए शुक्रवार के दिन अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा ने घूरपुर में भारी संख्या में मजदूरो किसानों के साथ हाथों में बैनर व विभिन्न प्रकार की स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारेबाजी करते जुलूस निकाल सरकार का पुतला फूंका। किसान और खेतिहर मजदूरों की बड़ी संख्या देख एहतियातन प्रशासनिक अधिकारी कई थानों की फोर्स व पीएसी के साथ मौजूद रही।

घूरपुर में जुलूस निकालते किसान

पुतला दहन करते किसान

वक्ताओं ने कहा कि जहां सरकार इन कानूनों को जबरन अमल करके विदेशी कम्पनियों व बड़े निजी प्रतिष्ठानों को सरकारी मंडियों के बाहर अपनी निजी मंडियां स्थापित करने की अनुमति दे रही है और इन ह्यगरीबह्ल महारथियों को सभी टैक्सों से भी मुक्त कर रही है, किसान इस बात को समझ गये हैं कि इनके आने से सारी सरकारी खरीद, सरकारी भंडारण और राशन में अनाज की आपूर्ति समाप्त कर दी जाएगी। आज तक कभी भी ऐसा नहीं हुआ कि अच्छी फसल पैदावार के बाद प्रतिष्ठानों ने सरकारी रेट से बेहतर रेट दिया हो। आरएसएस-भाजपा नेतृत्व वाली मोदी सरकार जो कारपोरेट हितों की सेवक है, किसानों व देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है और ढोंग रचकर दावा कर रही है कि विदेशी कम्पनियां अच्छा रेट देंगी।

नेताओं ने मोदी सरकार और उन पर खुद वार करते हुए कहा कि उन्होंने मंडी बिल को दाम आश्वासन और ठेका खेती बिल को आमदनी आश्वासन कह कर धोखा देने की कोशिश की है। वे इन्हें आत्मनिर्भर विकास व किसानों का सुरक्षा कवच बताने का नाटक कर रहे हैं। ये कानून वास्तव में ह्यसरकारी मंडी बाईपासह्ल तथा किसानों को ह्यकारपोरेट जाल मे फंसानेह्ल के कानून हैं। किसानों की कोई बेड़ी नहीं खुलेगी, क्योंकि ग्रामीण मंडियां निजी करापोरेशन के कब्जे में होंगी, किसान अनुबंध खेती द्वारा उनसे बंधे होंगे और उनकी जमीनें निजी सूदखोरों के हाथों गिरवी रखी होंगी। ये कानून उदारीकरण नीति का गतिमान रूप हैं और इनके अमल से किसानों पर कर्जे बढ़ेंगे और आत्महत्याएं तेज होंगी।

कहा कि इन कानूनों के द्वारा सरकार ने देश की खाद्यान्न सुरक्षा पर गम्भीर हमला किया है। उसने सभी अनाज, दाले, तिलहन, आलू व प्याज को आवश्यक वस्तुओं के माध्यम से नियामन से मुक्त कर दिया है। इसका नया कानून असल में ह्यकालाबाजारी की मुक्तिह्ल कानून है, जिसमें फसल खरीद पर नियंत्रण करने वाले प्रतिष्ठानों को जमाखोरी व कालाबाजारी की पूरी छूट होगी और 75 करोड़ राशन के लाभार्थियों को मजबूरन खुले बाजार से अनाज खरीदना होगा।

वक्ताओं ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री व केन्द्रीय कृषि मंत्री की आलोचना करते हुए कहा सरकारी खरीद और एमएसपी को जारी रखने की बात कह कर वह देश के लोगों को मूर्ख बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी ये दोनो चीजें बहुत कम ही अमल की जाती हैं और सरकार को इनके अमल करने के लिए बाध्य करने का कोई कानून मौजूद ही नहीं है। फिर भी सरकार ने विदेशी कम्पनियों का कृषि बाजार पर नियंत्रण करने देने का कानून बनाया है, खुद को बाध्य करने का नहीं बनाया। आयोजित विरोध जुलूस में कई किसान संगठन, ट्रेड यूनियन संगठन, छात्र व नागरिक संगठन मौजूद रहे। खेती के नए कानून, नया बिजली बिल 2020 और डीजल-पेट्रोल के दाम में वृद्धि के विरोध में नारे लगाए गये। उत्तर प्रदेश सरकार के 24 जून 2019 के गैर कानूनी शासनाआदेश जो केवल जमुना नदी में, केवल प्रयागराज जिले में, नाव द्वारा खनन पर रोक लगाता है। उसका भी विरोध किया गया।अंत में सरकार का पुतला फूंका गया।जुलूस में भारत मुक्ति पार्टी के महेंद्र भारतीय, प्रवीण कुमार, एकेआईएमएस के जिला अध्यक्ष राम कैलाश कुशवाहा, उपाध्यक्ष सुरेश निषाद, जिला महासचिव राजकुमार पथिक,विनोद निषाद, हीरा लाल, मालती देवी, फुलचंद्र निषाद, चौधरी बिंद, सुरेंद्र पटेल, राम तीरथ पटेल, रीता देवी, किरन आदि सैकड़ों लोग शामिल रहे।

सात इंडोनेशियाई जमाती जेल से रिहा

प्रयागराज। मरकज निजामुद्दीन से लौटे 7 विदेशी जमातियों को जेल से रिहा कर दिया गया है उनके विरुद्ध कोरोना संक्रमण फैलाने व वीसा नियमों का पालन न करने का आरोप था, 21 अप्रैल को जेल भेजे गए 16 विदेशियों सहित 30 जमातियों में सभी 14 भारतीयों की जमानत पूर्व में ही हो चुकी थी, न्यायालय के बन्द रहने के कारण 7 इंडोनेशियाई जमातियों को शुक्रवार को रिहा किया गया। जेल मैन्युअल के अनुसार सभी विदेशियों को जेल प्रशासन द्वारा उनके अधिवक्ता एस ए नसीम की सुपुर्दगी में दिया गया, अधिवक्ता एसए नसीम ने बताया कि जिला अदालत के लगातार बन्द रहते 24 अगस्त को इनकी जमानतें उच्च न्यायालय से स्वीकार की गई थी जमानत दाखिल करने पर इन्हें जेल से रिहा किया गया। रिहाई के समय एलआईयू के अधिकारी भी मौजूद थे।

नैनी जेल से रिहा होते इंडोनेशियाई जमाती

कौशल अध्यक्ष यशवंत शर्मा बने मंत्री

नैनी। नैनी एयरोस्पेस श्रमिक संघ, औद्योगिक क्षेत्र का कार्यकारिणी चुनाव 25 सितंबर को संपन्न हो गया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए कौशल कुमार दीक्षित समेत सभी पदाधिकारियों का चुनाव निर्विरोध हुआ। इसी क्रम में चंद्रिका प्रसाद को उपाध्यक्ष प्रथम और अरविंद कुमार सिंह को द्वितीय, यशवंत कुमार शर्मा को मंत्री, दीपक मिश्रा को संयुक्त मंत्री प्रथम व अमरचंद्र यादव को द्वितीय, मदन मंडल को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसी क्रम में सलिल कुमार श्रीवास्तव को प्रकाशनमंत्री चुना गया। बाबूलाल, राजेंद्र कुमार शर्मा, राकेश कुमार शुक्ला, नवल किशोर सिंह, अमरनाथ, इस्तियाक अहमद व शाहिद अली को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया।

दरोगा के बंद मकान को चोरों ने खंगाला

कोरोना सेल में तैनात हैं एसआई दीपक कुमार

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र इलाके में लगातार सक्रिय चोरों के गिरोह ने दूसरे दिन चोरी की वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली। गुरुवार रात चोरों ने दरोगा के बंद मकान को निशाना बनाते हुए खंगाल ले गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और डॉग स्क्वायड व फोरेंसिक विभाग की टीम को मौके पर बुलाकर जांच पड़ताल कराया, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं लगा।

जानकारी के मुताबिक सोनभद्र जिले के रहने वाले दीपक कुमार एसआई पद पर इन दिनों कोरोना सेल में तैनात हैं। इससे पूर्व वह औद्योगिक क्षेत्र थाने से संबंधित युनाइटेड पुलिस चौकी प्रभारी के रूप में तैनाती के दौरान वह उक्त थाना क्षेत्र के प्रयागराज-मीरजापुर मार्ग से कुछ दूरी पर ब्यौहरा गांव के समीप एक मकान किराए पर लेकर परिवार समेत निवास करते चले आ रहे हैं। बीते तीन दिन पूर्व वह अवकाश लेकर परिवार समेत सोनभद्र स्थित घर गए हुए थे। गुरुवार रात सक्रिय चोरों के गिरोह ने मौका पाते ही दरोगा के बंद मकान के अंदर दाखिल हो गए और कमरों का ताला तोड़कर वहां पर रखे सामानों को समेटते हुए अस्त व्यस्त कर दिए। चोर हजारों रुपए के सामानों पर हाथ साफ कर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक एसआई दीपक कुमार परिवार सहित अपने मूल निवास जाने की वजह से घर में रखे नकदी व सोने चांदी से निर्मित आभूषण अपने साथ ले गए थे। जिससे वह चोरी होने से बच गया। जबकि एक सूटकेस मकान से कुछ दूरी पर मिला। जिसमें समस्त सामान मौजूद थे। वहीं समाचार लिखे जाने तक उक्त दरोगा ने पुलिस को घटित वारदात की तहरीर दिए थे। बता दें कि बुधवार रात ही चोरों ने मियां का पूरा गांव में चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए नकदी समेत लाखों रुपए के जेवरात समेट ले गए थे। इससे पूर्व भी चोरों ने कई चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी भी चोर को गिरफ्तार नहीं कर पाए हैं।

चोरी की जांच पड़ताल करती डॉग स्क्वायड टीम

जयंती पर याद किए गए अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय

नैनी। भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक, एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की 104 वीं जयंती क्षेत्र में जगह-जगह धूमधाम से मनाया गया। गई। काजीपुर वार्ड में मंडल अध्यक्ष दिलीप केशरवानी व मंडल महामंत्री रामजी मिश्रा, अजीत, समर सिंह, शिवदानी सिंह, श्याम मिश्र, तेजू सिंह, रिंकल यादव, दिनेश सिंह आदि ने पं. दीनदयाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके सदविचारों को याद किया। इसी क्रम में माधव ज्ञान केंद्र इंटर कालेज, खरकौनी में प्रधानाचार्य पं. प्रदीप कुमार त्रिपाठी की मौजूदगी में पं. दीनदयाल के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। इस दौरान सभी लोगों ने पं. दीनदयाल के चित्र पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। क्षेत्र के चकभटही की पार्षद इं. नीलम यादव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर अपने क्षेत्र के लोगों को घर-घर जाकर मास्क बांटा और कोरोना के प्रति सजग रहने की अपील की। उनके साथ सेक्टर संयोजक डा. सुभाष पांडेय, अरविंद पटेल, राजकुमार भारतीया, भोला पटेल आदि रहे।

यमुना नदी में डूबने से युवक की मौत

घंटों कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने डूबे हुए युवक के शव को पानी से बाहर निकाला

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के महेवा घाट पर शुक्रवार को दोस्तों के साथ स्नान करने गए एक युवक की यमुना नदी में डूबने से मौत हो गई। जिससे साथियों में कोहराम मच गया।

जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बरामद शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के मुताबिक उन्नाव जिले के रहने वाले राजू (20) पुत्र पिंटू नैनी कोतवाली क्षेत्र के महेवा में कमरा किराए पर लेकर एक निजी कारखाने में बतौर मजदूरी पर कार्य करते थे। शुक्रवार सुबह वह अपने दोस्त शनि समेत चार अन्य लोगों के साथ महेवा घाट पर स्नान करने के लिए गया हुआ था। स्नान के दौरान राजू गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव में यमुना नदी में समा गया। जिससे मौजूद साथियों में हड़कंप मच गया और शोर मचाने पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कार्यवाहक नैनी कोतवाली प्रभारी रामाशीष यादव व एग्रीकल्चर पुलिस चौकी प्रभारी अजीत कुमार सिंह दलबदल के साथ मौके पर पहुंचे और सूचना देकर गोताखोरों को बुलाया गया। घंटों कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने डूबे हुए युवक के शव को पानी से बाहर निकाला। वहीं जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

करंट से महिला की गई जान

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के मलाकहरहर में गोशाला में काम करने वाली महिला की शुक्रवार सुबह करंट लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। सोरांव के मलाक हर-हर निवासी नूधन सरोज (30) पत्नी दिपेश सरोज दो बेटियों और पति के भरण-पोषण के लिए गांव के ही निवासी नन्हे पाण्डेय की गोशाला में काम करती थी। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह गायों की देखरेख ब्यस्त थी,इसी बीच करंट की चपेट में आ गई। हालांकि जान बचाने की कोशिश में उसे उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

कृषि विधेयक के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने जा रहे छात्र नेताओं पर लाठीचार्ज

प्रयागराज। कृषि विधेयक के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने जा रहे एनएसयूआइ के छात्र नेताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिसमें कई छात्र घायल हो गए। पुलिस ने छात्र नेताओं को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गई है' इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (इविवि) के छात्रसंघ भवन से बालसन चौराहे पर किसानों के आंदोलन को समर्थन देने शुक्रवार की दोपहर एनएसयूआई के छात्र कृषि विधेयक बिल के विरोध में एक जुलूस के रूप में प्रदर्शन करते हुए जा रहे थे। पुलिस ने पहले उन्हें रोकने का प्रयास किया जब वह नहीं माने तो पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दीया इस दौरान वहां भगदड़ मच गई। लाठीचार्ज में कई छात्रों को चोटें आईं। कई छात्रनेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्हें वाहनों से पुलिस लाइन भेजा गया है। आपको बताते चलें की शुक्रवार को कृषि विधेयक के खिलाफ किसान संगठन व राजनैतिक दल धरना-प्रदर्शन कर रहे थे 'इसी क्रम में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआइ) से जुड़े सैकड़ों छात्र दोपहर में छात्रसंघ भवन पहुंचे। वहां कृषि विधेयक बिल के विरोध करने के लिए रणनीति तैयार हुई। इसके बाद जुलूस की शक्ल में छात्रसंघ भवन के गेट पर छात्र पहुंचे। इसी बीच छात्रों के जुलूस का पता चला तो काफी संख्या में वहां पुलिस फोर्स पहुंच छात्रों को रोकने की कोशिश की, इस दौरान छात्र नेताओं को पुलिस से नोकझोंक भी होने लगे।

छात्र को ले जाती पुलिस

मामला गंभीर होता देख पुलिस वालों ने छात्र नेताओं पर लाठी चार्ज करना शुरू कर दिया भीड़ तितर-बितर होने लगी कई छात्र नेता इधर-उधर हुए तो कई सड़क पर ही लेट कर विरोध शुरू करना शुरू कर दिए। पुलिस वालों ने टांग टांग कर उनको पुलिस वैन में की किया तथा सभी को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गई। खबर लिखे जाने तक सभी छात्र नेता और छात्र पुलिस लाइन में ही मौजूद रहे।

युवती को मारा पीटा मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। खेत में पानी लगाने गयी युवती को पडोसी ने मारा पीटा और धमकी दी। पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिसवां निवासनीय अनीता देवी पुत्री स्वर्गीय कालूराम का आरोप है कि वह खेत में पानी लगा कर आ रही थी। आरोप है कि पडोसी कहा कि इस मेड से मत आया करो सडक से आया जाया करो। अपत्ति करने पर अनीता देवी को मारा पीटा गया। अनीता देवी ने मऊआइमा थाने में धर्मेंद्र कुमार यादव पुत्र बाबूलाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है ।

एसपी बालासुब्रामण्यम के निधन पर कलाकारों में शोक की लहर

नैनी। हिंदी सिनेमा जगत के मशहूर पार्श्वगायक एसपी बालासुब्रमण्यम के निधन की खबर मिलते ही कलाकारों में शोक की लहर दौड़ गई। वर्ष 1990 के दशक में फिल्मी दुनिया के रोमांटिक गीतों के दौर में हम आपके हैं कौन, मैंने प्यार किया जैसी फिल्मों में अपनी आवाज देने वाले बालासुब्रमण्यम ने 500 से अधिक सुपरहिट हिंदी गीतों को अपनी आवाज दी। गायक एवं यमुनापार कलाकार संघ के अध्यक्ष प्रियांशु श्रीवास्तव ने बताया कि उनके गीतों को गाकर, सुनकर बड़े हुए कलाकारों में उनके जाने से शोक की लहर है। इसलिए यमुनापार कलाकार संघ के क्षेत्रीय कार्यालय में कलाकारों ने दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि दी। मशहूर उद्घोषिका एवं समाजसेवी आभा मधुर ने भी गहरा दुख व्यक्त किया।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

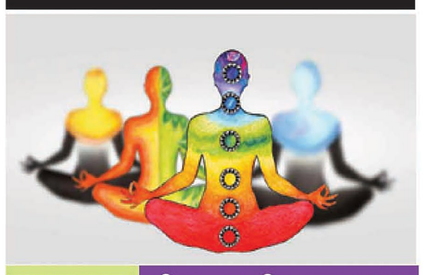

प्रयागराज शनिवार, 26 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

लाहिड़ी महाशय का अवतार सदृश जीवन

परमहंस योगानंद द्वारा योगी की आत्मकथा के अंश
-अध्याय 35

हर धर्म के लोगों को क्रियायोग दीक्षा का दान लाहिड़ी महाशय के जीवन की एक उल्लेखनीय विशिष्टता थी। केवल हिंदू ही नहीं बल्कि उनके प्रमुख शिष्यों में मुसलमान और ईसाई भी थे। द्वैतवादी हो, अद्वैतवादी, चाहे वह किसी भी धर्म का अनुयायी हो या किसी भी प्रचलित धर्म को न मानता हो, विश्वगुरु सबका निष्पक्ष रूप से स्वागत करते और उन्हें शिक्षा देते थे। उनके एक मुसलमान शिष्य अब्दुल गफूर खान अत्यंत ऊँची अवस्था में पहुँचे हुए थे। स्वयं सर्वोच्च ब्राह्मण जाति के होते हुए भी लहिड़ी महाशय ने अपने समय के कट्टर जाति व्यवस्था को ताड़ने की दिशा में साहसिक कदम उठाये थे। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को इस गुरु की सर्वव्यापी छत्रछाया में आसरा मिलता था। सभी ईश - प्रेरित संतों के समान ही लाहिड़ी महाशय ने भी समाज के पतित - दलितों के हृदयों में आशा की नयी किरण जगायी।

'यह याद रखो कि तुम किसी के नहीं हो और कोई तुम्हारा नहीं है। इस पर विचार करो कि किसी दिन तुम्हें इस संसार का सब कुछ छोड़कर चल देना होगा, इसलिये अभी से ही भगवान को जान लो,' महान गुरु अपने शिष्यों से कहते । 'ईश्वरानुभूति के गुब्बारे में प्रतिदिन उड़कर मृत्यु की भावी सूक्ष्म यात्रा के लिये अपने को तैयार करो। माया के प्रभाव में तुम अपने को हाड़ - मांस की गठरी मान रहे हो, जो दुःखों का घर मात्र है। अनवरत ध्यान करो ताकि तुम जल्दी से जल्दी अपने को सर्व - दुःख क्लेशमुक्त अनन्त परमतत्व के रूप में पहचान सको। क्रियायोग की गुप्त कुंजी के उपयोग द्वारा देह - कारागर से मुक्त होकर परमतत्व में भाग निकलना सीखो।'

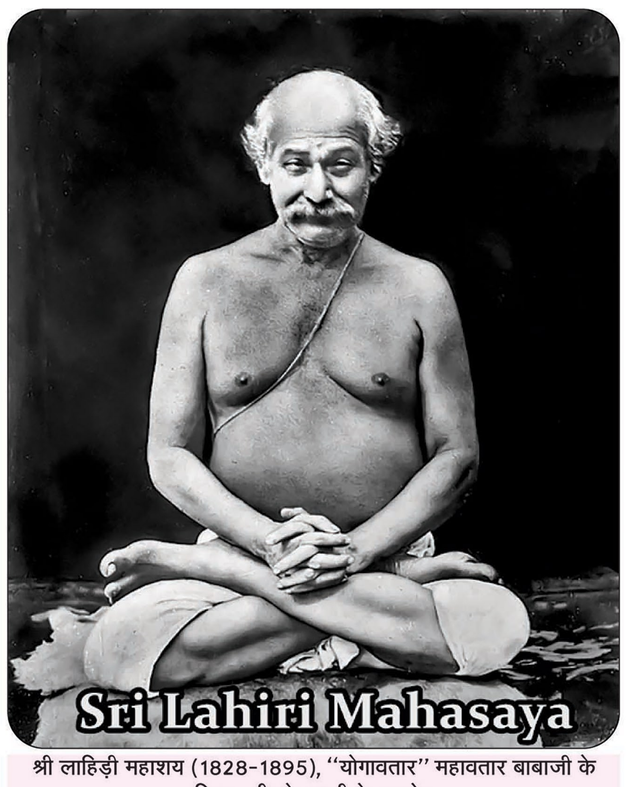

श्री लाहिड़ी महाशय (1828-1895), ''योगावतार'' महावतार बाबाजी के शिष्य, श्रीयुक्तेश्वरजी के गुरूदेव

गुरुवर अपने विभिन्न शिष्यों के अपने अपने धर्म के अच्छे परम्परागत नियमों का निष्ठा के साथ पालन करने के लिये प्रोत्साहित करते थे। मुक्ति की व्यवहारिक प्रविधि के रूप में क्रियायोग के सर्वसमावेशक स्वरूप के महत्व को स्पष्ट करने के बाद फिर लाहिड़ी महाशय अपने शिष्यों को अपने-अपने वातावरण एवं पालन पोषण के अनुसार अपना जीवन जीने की स्वतंत्रता देते थे।

वे कहते थेः 'मुसलमान को रोज पॉच बार नमाज पढ़ना चाहिए। हिंदू को दिन में कई बार ध्यान में बैठना चाहिए। ईसाई को रोज कई बार घुटनों के बल बैठ कर प्रार्थना करके फिर बाइबिल का पाठ करना चाहिए।'

लाहिड़ी महाशय अत्यंत विचारपूर्वक अपने अनुयायियों को उनकी स्वाभाविक प्रवृत्तियों के अनुसार भक्ति योग, कर्म योग, ज्ञान योग या राज्यों के मार्ग पर चलाते थे। सन्यास लेने की इच्छा रखने वाले शिष्यों को वे आसानी से उसकी अनुमति नहीं देते थे; हमेशा उन्हें सन्यास जीवन की उग्र तपश्चर्या पर पहले भली-भॉति विचार कर लेने का परामर्श देते थे।

अपने शिष्यों को वेद शास्त्रों की अनुमानमूलक चर्चा में न उलझने का परामर्श देते थे। वे कहतेः ₹केवल वही बुद्धिमान है जो प्राचीन दर्शनों का केवल पठन-पाठन करने के बजाय उनकी अनुभूति करने का प्रयास करता है । ध्यान में ही अपनी सब समस्याओं का समाधान ढूँढो। व्यर्थ अनुमान लगाते रहने के बदले ईश्वर से प्रत्यक्ष संपर्क करो।

'शास्त्रों के किताबी ज्ञान से उत्पन्न मतांध धारणाओं के कचरे को अपने मन से निकाल फेंको और उसके स्थान पर प्रत्यक्ष अनुभूति के आरोग्यप्रद मीठे जल को अंदर आने दो। अंतरात्मा के क्षत्रिय मार्गदर्शन से मन की तार को जोड़ लो; उस के माध्यम से बोलने वाली ईश्वर वाणी के पास जीवन की प्रत्येक समस्या का उत्तर है। अपने आप को संकट में डालने के मामले में मनुष्य की प्रतिभा का कोई अंश प्रतीत नहीं होता, परंतु परम दयालु ईश्वर के पास सहायता की युक्तियों की भी कोई कमी नहीं है।'

एक दिन भगवद्गीता पर लहिड़ी महाशय का प्रवचन सुन रहे शिष्यों को उनकी सर्वव्यापिता की झलक देखने को मिली। लाहिड़ी महाशय सकल स्पन्दनशील सृष्टि मैं व्याप्त कूटस्थ चैतन्य का अर्थ समझा रहे थे। तभी हठात् वे हॉफने लगे मानो उनका दम घुट रहा था, और साथ ही चिल्ला उठेः 'जापान के समुद्र तट के पास में अनेक लोगों के शरीरों के माध्यम से डूब रहा हूँ!' कुछ दिनों बाद शिष्यों ने समाचार पत्रों में उस दिन जापान के पास डूबे एक जहाज में यात्रा कर रहे अनेक लोगों की डूबने से मृत्यु का समाचार पढ़ा।

अनेक दूर - दूर तक रहने वाले शिष्यों को अपने इर्द-गिर्द लाहिड़ी महाशय की संरक्षक एवं मार्गदर्शक उपस्थिति का अनुभव होता था। जो शिष्यगण परिस्थितिवश उनके पास नहीं रह सकते थे, उन्हें लाहिड़ी महाशय सांत्वना देते हुए कहते थेः 'जो क्रिया का अभ्यास करते हैं, उनके पास मैं सदैव रहता हूँ। तुम्हारी अधिकाधिक व्यापक बनती जाते अध्यात्मिक अनुभूतियों के माध्यम से मैं परम पद प्राप्त करने में तुम्हारा मार्गदर्शन करूँगा।'

The Christlike Life of Lahiri Mahasaya

Excerpt from Autobiography of a Yogi by Paramahansa Yogananda – Chapter 35

A significant feature of Lahiri Mahasaya's life was his gift of Kriya initiation to those of every faith. Not Hindus only, but Moslems and Christians were among his foremost disciples. Monists and dualists, those of all faiths or of no established faith, were impartially received and instructed by the universal guru. One of his highly advanced chelas was Abdul Gufoor Khan, a Mohammedan. It shows great courage on the part of Lahiri Mahasaya that, although a high-caste Brahmin, he tried his utmost to dissolve the rigid caste bigotry of his time. Those from every walk of life found shelter under the master's omnipresent wings. Like all God-inspired prophets, Lahiri Mahasaya gave new hope to the outcastes and down-trodden of society.

"Always remember that you belong to no one, and no one belongs to you. Reflect that some day you will suddenly have to leave everything in this worldso make the acquaintanceship of God now," the great guru told his disciples. "Prepare yourself for the coming astral journey of death by daily riding in the balloon of God-perception. Through delusion you are perceiving yourself as a bundle of flesh and bones, which at best is a nest of troubles . Meditate unceasingly, that you may quickly behold yourself as the Infinite Essence, free from every form of misery. Cease being a prisoner of the body; using the secret key of Kriya, learn to escape into Spirit."

The great guru encouraged his various students to adhere to the good traditional discipline of their own faith. Stressing the all-inclusive nature of Kriya as a practical technique of liberation, Lahiri Mahasaya then gave his chelas liberty to express their lives in conformance with environment and up bringing."A Moslem should perform his namaj worship four times daily," the master pointed out. "Four times daily a Hindu should sit in meditation. A Christian should go down on his knees four times daily, praying to God and then reading the Bible."

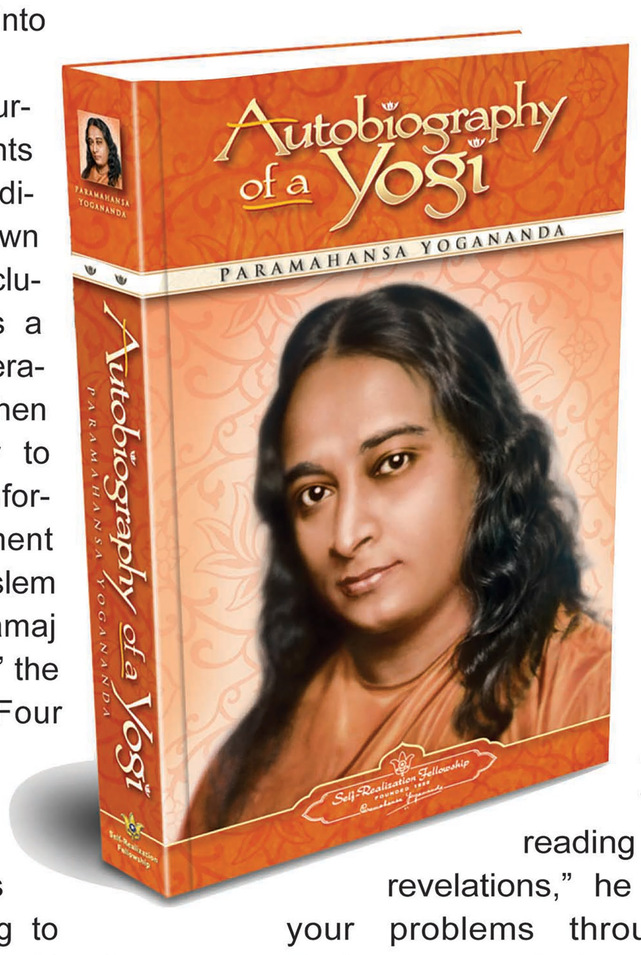

With wise discernment the guru guided his followers into the paths of Bhakti (devotion), Karma (action), Jnana (wisdom), or Raja (royal or complete) Yogas, according to each man's natural tendencies. The master, who was slow to give his permission to devotees wishing to enter the formal path of monkhood, always cautioned them to first reflect well on the austerities of the monastic life.

The great guru taught his disciples to avoid theoretical discussion of the scriptures. "He only is wise who devotes himself to realizing, not reading only, the ancient revelations," he said. "Solve all your problems through meditation. Exchange unprofitable religious speculations for actual God-contact. Clear your mind of dogmatic theological debris; let in the fresh, healing waters of direct perception. Attune yourself to the active inner Guidance; the Divine Voice has the answer to every dilemma of life. Though man's ingenuity for getting himself into trouble appears to be endless, the Infinite Succor is no less resourceful."

The master's omnipresence was demonstrated one day before a group of disciples who were listening to his exposition of the Bhagavad Gita. As he was explaining the meaning of Kutastha Chaitanya or the Christ Consciousness in all vibratory creation, Lahiri Mahasaya suddenly gasped and cried out:

"I am drowning in the bodies of many souls off the coast of Japan!"

The next morning the chelas read a newspaper account of the death of many people whose ship had foundered the preceding day near Japan.

The distant disciples of Lahiri Mahasaya were often made aware of his enfolding presence. "I am ever with those who practice Kriya," hesaid consolingly to chelas who could not remain near him. "I will guide you to the Cosmic Home through your enlarging perceptions."